सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 176 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 31 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

वो जो अच्छाई करने में बहुत ज्यादा व्यस्त है, स्वयं अच्छा होने के लिए समय नहीं निकाल पाता।
-रबिन्द्रनाथ टैगोर

अभिषेक शर्मा टी-20 के बने नंबर-1... 7 | यूपी की ब्यूरोक्रेसी डर के साये... 3 | भाजपा सरकार को देश का... 2

दोस्त-दोस्त न रहा

ट्रंप का टैरिफ अटैक, सदमे में अर्थव्यवस्था

लाल निशान में शेयर बजार, अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव की संभावना

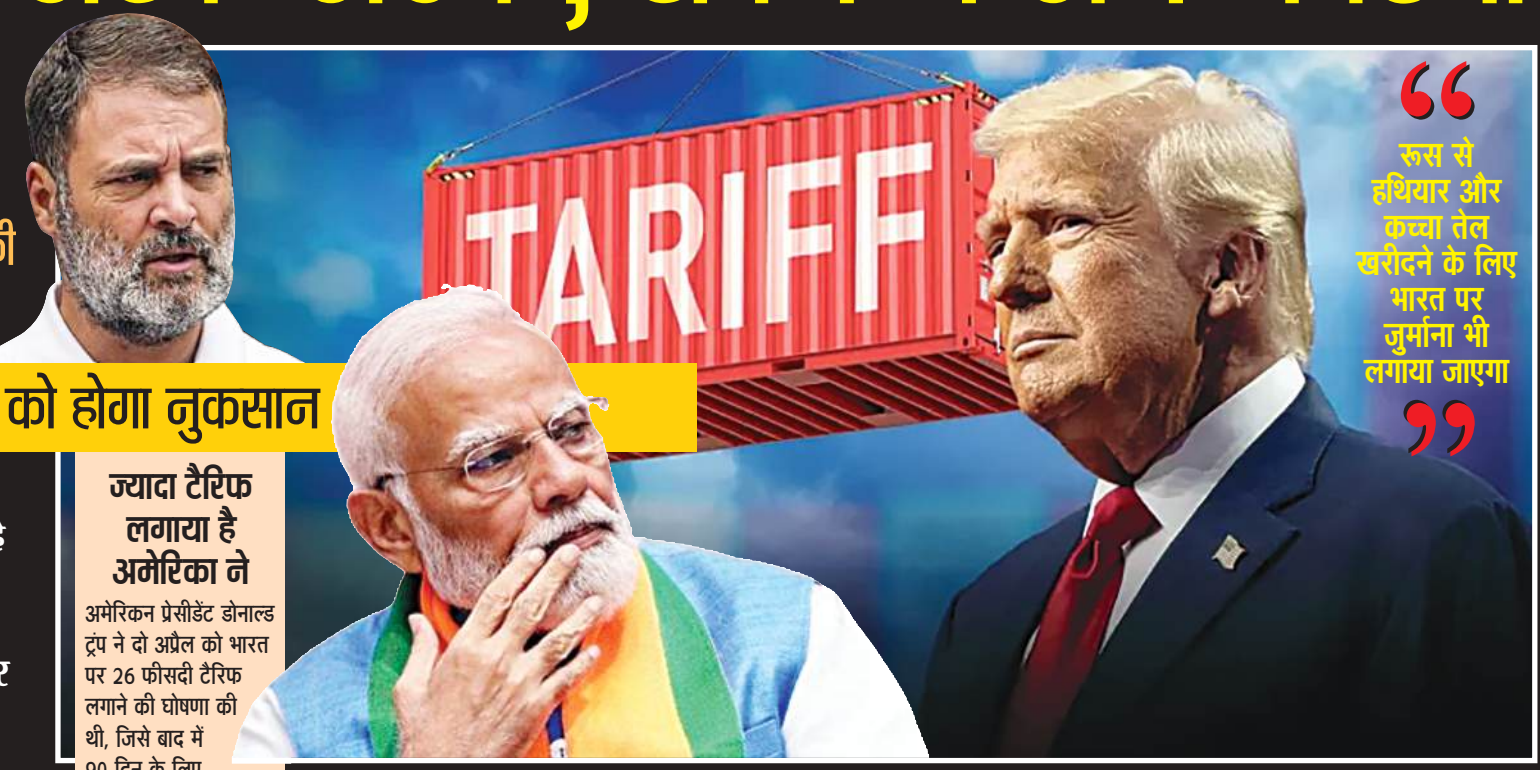

“रूस से हथियार और कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर जुर्माना भी लगाया जाएगा”

विपक्ष बोला भारत को होगा नुकसान

» इलेक्ट्रानिक, मेडिसिन कंपनियो को हो सकता है भारी नुकसान

» भारत ने चुनौतियों को हमेशा संभावनाओं के तौर पर लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ट्रंप के टैरिफ अटैक से भारत की अर्थव्यवस्था और राजनीति दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। शेयर बाजार ने इसे निगेटिव लिया और बाजार खुलते ही 5.5 लाख करोड़ स्वाहा हो गये। सेंसेक्स में 600 अंकों की गिरावट दर्ज की गयी और एफडीडीआई ने रूपयों की निकासी की।

बात अगर राजनीति की करें तो सरकार को विपक्ष के तानों ने रूलाने की स्थति पैदा कर दी है। विपक्ष नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी का सहारा लेकर सरकार पर हमलावर है और कह रहा है कि अब कहां गयी मोदी—ट्रंप की दोस्ती। यदि अमेरिका और भारत के बीच बढ़ते तनाव का जल्द ही कोई किनारा नहीं मिलता है तो इस टैरिफ अटैक के भयंकर परिणाम सामने आना शुरू हो जाएगे।

ज्यादा टैरिफ लगाया है अमेरिका ने

अमेरिकन प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने दो अप्रैल को भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, जिसे बाद में 90 दिन के लिए रोक दिया था। अब 25 फीसदी टैरिफ लगाया गया है जोकि चीन को छोड़कर एशिया के अन्य देशों की तुलना में अधिक है। ट्रंप ने इंडोनेशिया, फिलीपींस, वियतनाम और जापान पर 20 फीसदी या उससे कम टैरिफ लगाया है। चीन के साथ अमेरिका के टैरिफ टकराव के बीच एपल समेत कुछ बड़ी अमेरिकी कंपनियों ने अपना उत्पादन भारत में स्थानांतरित करना शुरू कर दिया था। अगर यह टैरिफ बना रहता है तो भारत को नुकसान होगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने की एक अगस्त से लागू करने की घोषणा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अगस्त से भारत से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर 25 फीसदी शुल्क लगाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा था कि रूस से हथियार और कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। ट्रंप ने यह घोषणा ऐसे समय में की, जब एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए 25 अगस्त से अमेरिकी व्यापार दल भारत आएगा। भारत, अमेरिका का प्रमुख कारोबारी साझेदार है। पिछले वर्ष दोनों देशों के बीच व्यापार करीब 130 अरब डॉलर का था। ऐसे में ट्रंप की घोषणा द्विपक्षीय व्यापार के लिए झटका है। यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स ने आशंका जताई कि नए टैरिफ से व्यापारिक विश्वास को क्षति पहुंचेगी और 2025-26 में कारोबार में 15 से 20 अरब डॉलर की कमी हो सकती है। अमेरिका ने पहले ही स्टील और एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत तथा ऑटो सेक्टर पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया हुआ है।

कांग्रेस हुई हमलावर

आज की स्थिति का कांग्रेस अपने हित में फायदा उठाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता और प्रवक्ता सोशल मीडिया पर सरकार को घेरने का काम कर रहे है वहीं सदन के भीतर राहुल गांधी और कांग्रेसी सांसद सरकार को घेर रहे हैं। इसी बीच खबरें यह भी आ रही है कि अमेरिकन प्रेसीडेंट ने कुछ नरमी के संकेत दिये हैं।

इन सेक्टर पर भी पड़ेगा टैरिफ का असर

कुछ सेक्टर ऐसे हैं जिन्हें अमेरिका टैरिफ से छूट दी हुई थी, जिसमें दवाइयां (फार्मा), सेमीकंडक्टर, ऊर्जा उत्पाद (तेल, गैस, कोयला, एलएनजी) और कॉपर शामिल थे, लेकिन 1 अगस्त से लागू होने वाले टैरिफ में ये सभी चीज भी शामिल हो सकती हैं। जिसके चलते इसके एक्सपोर्ट पर असर पड़ना स्वाभाविक है।

ज्वेलरी और डायमंड

भारत दुनिया में सबसे ज्यादा डायमंड एक्सपोर्ट करने वाला देश है। अमेरिका भारत से बड़ी मात्रा में ज्वेलरी और डायमंड खरीदता है। नए टैरिफ के बाद इनकी कीमतें बढ़ जाएंगी। ऐसे में अमेरिकी खरीदार भारत की जगह दूसरे देशों से हीरे और ज्वेलरी मंगवा सकते हैं।

ऑटोमोबाइल सेक्टर भी मुश्किल में

भारत अमेरिका को ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स भी एक्सपोर्ट करता है। पहले से ही स्टील और एल्यूमिनियम पर 25प्रतिशत का टैरिफ लगा है और अब ऑटो सेक्टर पर भी 25फीसदी का टैक्स 1 अगस्त से लागू होगा तो इनकी डिमांड में गिरावट आ सकती है।

मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स पर भी मार

भारत हर साल अमेरिका को करीब 14 अरब डॉलर के मोबाइल, टेलीकॉम और इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स बेचता है। टैरिफ से इनके दाम बढ़ जाएंगे और अमेरिकी खरीदार दूसरे देशों की तरफ रुख कर सकते हैं। इससे भारत का अरबों डॉलर का एक्सपोर्ट कम हो सकता है। इसके अलावा केमिकल सेक्टर पर भी टैरिफ का असर देखने को मिलेगा।

टेक्सटाइल, गारमेंट्स व कारपेट पर असर

भारत टेक्सटाइल, गारमेंट्स और कारपेट का बड़ा निर्यातक देश है। अमेरिका भारत से सबसे ज्यादा कपड़े और फुटवियर खरीदता है। 25 फीसदी का टैरिफ और पेनल्टी से ये सामान अमेरिकी बाजार में महंगे हो जाएंगे। इससे भारतीय कंपनियों के ऑर्डर और शिपमेंट पर असर पड़ सकता है और निर्यात घट सकता है।

टैरिफ अटैक के बाद शेयर बाजार में हाहाकार

टैरिफ अटैक के बाद भारत के घरेलू शेयर मार्केट में भारी गिरावट देखी गयी। सुबह 10.00 बजे बीएसई सेंसेक्स 650.75 अंक गिरकर 80,831.11 अंक पर आ गया। निफ्टी50 भी 197.55 अंक फिसलकर 24,657.50 रह गया। इससे बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 5.5 लाख करोड़ रुपये घटकर 453.35 लाख करोड़ रुपये रह गया। सेक्टरों की बात करें तो सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी ऑटो में देखने को मिली। बैंकिंग, मेटल, फार्मा व रियलिटी इंडेक्स भी लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। टैरिफ से टेक्सटाइल, फार्मास्युटिकल्स और ऑटो कंपोनेंट्स जैसे सेक्टरों को सबसे ज्यादा नुकसान होगा।

भाजपा सरकार को देश का असली दुश्मन नहीं दिखाई दे रहा : अखिलेश

सपा प्रमुख बोले- पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ाता है, पाकिस्तान के पीछे खड़ा है चीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर फिर तीखा प्रहार किया है। सपा प्रमुख ने कहा है कि कि केन्द्र सरकार को देश का असली दुश्मन नहीं दिखाई दे रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि आतंकवादी पाकिस्तान से आते हैं। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ाता है। पाकिस्तान के पीछे चीन खड़ा है।

चीन हमारे देश की सीमा पर अतिक्रमण कर रहा है। चीन हमारा कारोबार और व्यापार छीन रहा है लेकिन केन्द्र की भाजपा सरकार को देश का असली दुश्मन नहीं दिख रहा है। श्री यादव ने कहा कि अभी जो युद्ध हुआ उसमें चीन की भूमिका को सभी लोग जान रहे है। सवाल यह है कि जब भी युद्ध होगा तो क्या ऐसी ही परिस्थितियों से गुजरना पड़ेगा जैसा पिछले दिनों हुआ।

बिहार में वोटरलिस्ट की स्पेशल इंटेसिव रिविजन को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए भाजपा नई-नई रणनीति बनाती है। आठ करोड़ वोट की वोटर लिस्ट सिर्फ एक से डेढ़ महीने में बनाना चाहते हैं। श्री यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार में विपक्ष वोटर लिस्ट को लेकर शिकायत करता है तो प्रशासन के अधिकारी शिकायत नहीं सुनते है। भाजपा की सरकार रहती है तो चुनाव आयोग में शिकायत के बाद भी डीजीपी और अन्य अधिकारी नहीं हटाए जाते हैं। दूसरी पार्टी की सरकार होती है तो तुरन्त हटा दिये जाते हैं। समाजवादी पार्टी ने भाजपा के इशारे पर डिलीट किए गए 18 हजार वोटरों का नाम एफिडेविट के साथ चुनाव आयोग को दिये, उसके बाद भी आयोग ने किसी रिटर्निंग ऑफिसर और बीएलओ पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

चुनाव में बेईमानी करने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी एसआईआर के खिलाफ है। लोकसभा चुनाव के बाद जो वोट घट गये या बढ़े है, उसका अलग तरीका है। लेकिन नई वोटर लिस्ट बनायी जा रही है। इसका मतलब है कि भाजपा ने चुनाव में बेईमानी करने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी की है। सभी ने देखा है कि चंडीगढ़ में किस तरह से वोटों में बेइमानी हुई थी। भाजपा के लोग तो बूथ पर पता नहीं कौन सी मशीन लेकर आते है जिससे वोटर आई कार्ड बना लेते हैं। भाजपा के लोग मशीन से आधार कार्ड बना लेते हैं।

भाजपा की नारी वंदना का कड़वा सच आया सामने

ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था क्या ऐसे ही बनेगी। लोन न चुकापाने पर ग़रीब की पत्नी को तो बैंककवाले बंधक बना रहे हैं लेकिन सत्ता के करीबी जो लोग बैंकों का खरबों लेकर, भाजपाइयों द्वारा विदेश भगा दिये गये उनका क्या? यही है भाजपा की नारी वंदना का कड़वा सच।

दलितों के उत्पीड़न पर मौन हो जाती है भाजपा : गौतम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि सरकार अनुसूचित जाति विरोधी है। भाजपा सरकार एक तरफ कांवड़ लेकर आने वालों पर फूल बरसाती है जबकि दूसरी तरफ दलितों के खिलाफ उत्पीड़न पर चुप्पी साधकर बैठ जाती है।

» कांग्रेस नेता बोले- कुर्सी कभी किसी की नहीं होती

प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी के सवाल पर गौतम ने कहा कि ऐसा नहीं है, कुर्सी कभी किसी की नहीं होती। अगर पार्टी मजबूत है तो कुर्सी भी मजबूत रहेगी। हरियाणा कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ की बैठक हुई। बैठक में दलित प्रकोष्ठ के कार्यकारिणी के सदस्यों ने हिस्सा लेकर आगामी रणनीति पर चर्चा की। गौतम ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में सरकारी स्कूल तेजी से बंद हो रहे हैं। एक अनुमान के हिसाब से तकरीबन 2 लाख स्कूल बंद हो चुके हैं। एक तरफ जहां देश में जहां जनसंख्या बढ़ रही है, दूसरी तरफ सरकारी स्कूलों की संख्या घट रही है और निजी स्कूल बढ़ रहे हैं। तैतम ने कहा कि सरकारी विश्वविद्यालयों में कोर्स की फीस में बेतहाशा वृद्धि होने से दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के बच्चे दाखिला ही नहीं ले पा रहे हैं। केंद्र सरकार अपनी मर्जी से सीधी भर्तियां कर रही है। भाजपा की धर्म की राजनीति का जवाब सामाजिक न्याय से दिया जा सकता है।

शिखर सम्मेलन में भाग लेने अमेरिका जाएंगे बदलापुर विधायक

» शिखर सम्मेलन में विधायक ऐसे विचारों को जान सकेंगे जिन्हें वे अपने देश में लागू कर सकते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एनसीएसएल और एनएलसी भारत की ओर से बोस्टन, मैसाचुसेट्स में विधायी शिखर सम्मेलन 2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन 4 से 6 अगस्त 2025 तक चलेगा। इस सम्मेलन में बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्र हिस्सा लेंगे।इस सम्मेलन में स्टाफ विशेषज्ञ और नीति निर्माता शामिल होंगे।

यह एक अद्वितीय शिक्षा, नेटवर्किंग और प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करेगा। विधायक अपने साथियों और नीति नवप्रवर्तनकों से मिल सकेंगे। वे ऐसे विचारों को जान सकेंगे जिन्हें वे अपने देश में लागू कर सकते हैं। एनएलसी भारत के साथ सहयोग से भारत के विभिन्न राज्यों और राजनीतिक दलों के विधायकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पंजीकृत विधायक सभी खुले सत्रों में हिस्सा ले सकेंगे। वे अपने समुदायों की समस्याओं के समाधान के लिए नए विचार और रणनीतियां सीख सकेंगे। सम्मेलन में व्यावसायिक विकास कार्यशालाएं और नेटवर्किंग कार्यक्रम भी होंगे। भारतीय विधायकों के लिए पंजीकरण एनएलसी भारत के माध्यम से किया जाएगा। अतिरिक्त जानकारी एनएलसी भारत द्वारा विधायकों को प्रदान की जाएगी।

बिहार में विजय और सम्राट हो गए हैं अपराधी : तेजस्वी

» राजद नेता का सीएम पर तीखा हमला उपमुख्यमंत्री का नाम लेकर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वैशाली। वैशाली जिला के हाजीपुर के लोदी पुर पहुंचे नेता विरोधी दल तेजस्वी यादव ने फिर से बिहार में बढ़ रहे अपराध को लेकर बिहार सरकार पर जमकर हमला किया है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि बिहार में अपराधी विजय और सम्राट हो गए हैं। बिहार में क्रिमिनल डिसऑर्डर हो गये हैं। बेखौफ अपराधी लगातार बिहार में अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कुछ पता ही नहीं है।

तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि वह (सीएम) अचेत अवस्था में हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराधिक घटनाएँ अनियंत्रित हो गए हैं। बेखौफ अपराधी लगातार घटना को अंजाम दे रहे हैं, लेकिन कोई सुध लेने वाला इसका नहीं है। तेजस्वी यादव ने आंकडा बताते हुए कहा कि एक सप्ताह के अंदर बिहार में 100 से अधिक हत्या हुई हैं। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि अपराधी ही बिहार में सरकार चला रहे हैं।

बिहार में 80 हजार करोड़ से ज्यादा का भ्रष्टाचार

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में भ्रष्टाचार 80 हजार करोड़ से ज्यादा का हो गया है। सीजी के रिपोर्ट में बिहार में पहला इंजन भ्रष्टाचार में है तो दूसरा इंजन आपराधिक घटना में। तेजस्वी यादव हाजीपुर में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। उनके साथ महुआ के विधायक मुकेश रोशन भी मौजूद थे। कहा कि सरकार के पास सभी फैक्ट्स और रिपोर्ट्स होने के बावजूद उन्हें देश के सामने नहीं रखा जा रहा है। जनता यह जानना चाहती है कि आखिर किसे सजा दी गई और कहां चूक हुई। जवाबदेही तय होना लोकतंत्र के लिए आवश्यक है।

एसआईआर का मतलब खामोश धांधली : बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने सवाल खड़े किए है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर इस देश के नागरिकों के नाम सूची से काटे जा रहे हैं और एक कुत्ते के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है, और चुनाव आयोग इस आवासीय प्रमाण पत्र को स्वीकार भी कर रहा है। कुत्ते के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र तो है, लेकिन लोग वोट नहीं डाल सकते। जिस एसआईआर की वे बात कर रहे हैं... विशेष गहन पुनरीक्षण...।

अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि एसआईआर का असली मतलब है खामोश अदृश्य धांधली, जिसकी शुरुआत चुनाव आयोग ने भाजपा के पक्ष में की है। जो लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल सरकार पर सवाल उठाने के लिए करते हैं, चुनाव आयोग उनका मताधिकार छीनने की कोशिश कर रहा है। जिस तरह से वे पक्षपातपूर्ण व्यवहार कर रहे हैं... मेरा मानना है... उन्होंने पहले भी देखा है कि पश्चिम बंगाल में उनके कार्यों का कोई नतीजा नहीं निकला। अब उन्होंने बिहार में भी ऐसा ही किया है; मुझे विश्वास है कि बिहार की जनता इसका जवाब देगी। इस बीच, मामला सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित है।

योगी राज में ईमानदारी की सजा

यूपी की ब्यूरोक्रेसी डर के साये में!

» पुवायां तहसील में हंगामा आईएएस रिंकू सिंह राही ने लगाई उठक-बैठक?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाहजहांपुर। दोस्तों यूपी के शाहजहांपुर जिले की पुवायां तहसील में एक ऐसी घटना घटी, जिसने न केवल प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मचा दिया बल्कि योगी सरकार की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला एक ईमानदार आईएएस अफसर रिंकू सिंह राही का है, जिन्हें अपने पहले ही दिन वकीलों के सामने कान पकड़कर उठक-बैठक करनी पड़ी। वहीं अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे योगी सरकार में ब्यूरोक्रेसी की बदहाली और ईमानदारी की सजा के रूप में देख रहे हैं। आपको बता दें कि शाहजहांपुर की पुवायां तहसील में एक ऐसी घटना घटी जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

नवागत उपजिलाधिकारी और आईएएस अफसर रिंकू सिंह राही ने सोमवार रात को पुवायां तहसील में अपना कार्यभार संभाला था। मंगलवार को अपने पहले ही दिन जब वे तहसील परिसर का निरीक्षण कर रहे थे। तब उनकी नजर एक वकील के मुंशी पर पड़ी जो तहसील परिसर में खुले में पेशाब कर रहा था। स्वच्छता और अनुशासन के प्रति अपनी निष्ठा दिखाते हुए रिंकू सिंह ने उस मुंशी को फटकार लगाइ और उसे सजा के तौर पर कान पकड़कर उठक-बैठक करने को कहा उनका मकसद था कि इस तरह की हरकत दोबारा न हो और तहसील परिसर में स्वच्छता बनी रहे लेकिन यह छोटा-सा कदम एक बड़े विवाद में बदल गया। उस मुंशी ने यह बात वकीलों तक पहुंचा दी जिन्हें यह कार्रवाई अपमानजनक लगी। वकील समुदाय ने इसे अपने सम्मान पर हमला माना और तहसील परिसर में धरना शुरू कर दिया। वकीलों का गुस्सा इस कदर बढ़ा कि उन्होंने रिंकू सिंह राही से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए रिंकू सिंह धरना स्थल पर पहुंचे और उन्होंने मंच पर खड़े होकर कहा कि मैं इस तहसील का सबसे बड़ा अधिकारी हूं अगर मेरी बातों से किसी को ठेस पहुंची हो तो मैं आप सभी से माफी मांगता हूं। इसके बाद उन्होंने वकीलों के सामने खुद कान पकड़कर पांच बार उठक-बैठक की। वहीं इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बता दें कि रिंकू सिंह राही कोई साधारण आईएएस अफसर नहीं हैं। उनकी जिंदगी संघर्ष, साहस और ईमानदारी की मिसाल है। हाथरस के रहने वाले रिंकू सिंह ने 2021 में दिव्यांग कोटे से पीएससी सिविल सेवा परीक्षा पास की और 683वीं रैंक हासिल की। 2022 बैच के आईएएस अफसर के रूप में उनकी नियुक्ति हुई और वे वर्तमान में शाहजहांपुर की पुवायां तहसील में एसडीएम के पद पर कार्यरत हैं। वहीं रिंकू सिंह का नाम पहली बार 2009 में तब सुर्खियों में आया जब उन्होंने मुजफ्फरनगर में समाज कल्याण अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए 83 करोड़ रुपये के घोटाले का पर्दाफाश किया। इस साहसी कदम ने कई रसूखदार लोगों को बौखला दिया। जिसके चलते उन पर हमला हुआ और उन्हें सात गोलियां मारी गईं। इस हमले में उनकी एक आंख और जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और अपने जज्बे को बनाए रखा। इससे साफ पता चलता है कि वे एक इमानदार अफसर हैं, जो भ्रष्टचार और अनुशासनहीनता के खिलाफ बिना डरे खड़े होते हैं।

प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा सवाल

वहीं योगी बाबा की सरकार ने हमेशा से अनुशासन और स्वच्छता को अपनी प्राथमिकता बताया है। स्वच्छ भारत मिशन से लेकर भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई तक योगी सरकार ने कई बड़े दावे किए हैं, लेकिन इस घटना ने यह दिखाया कि जमीनी हकीकत कुछ और है। अगर एक आईएएस अफसर को अपने पहले ही दिन इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ता है तो यह सरकार की प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। बता दें कि यह घटना रिंकू सिंह की विनम्रता और योगी सरकार की प्रशासनिक कमजोरी को दिखा रही है। वहीं अब सवाल उठता है कि क्या सरकार अपने अफसरों को वह समर्थन दे पा रही है जो उन्हें चाहिए? रिंकू सिंह राही जैसे अफसर, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ते हुए अपनी जान जोखिम में डाल चुके हैं। आज भी अपने कर्तव्यों का पालन करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे।

योगी सरकार के लिए एक बड़ा झटका

बता दें कि यह घटना योगी सरकार के लिए एक बड़ा झटका साबित हो रही है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार हमेशा से अनुशासन, स्वच्छता और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति की बात करती रही है, लेकिन इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या ईमानदार अफसरों को योगी राज में सजा मिल रही है। रिंकू सिंह राही जैसे अफसर पहले भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ते हुए अपनी जान जोखिम में डाल चुके हैं। आज वकीलों के सामने अपमानित होने को मजबूर हैं। वहीं इस पूरे मामले पर रिंकू सिंह राही ने अपनी सफाई दी है और उन्होंने कहा कि मैंने तहसील परिसर में एक व्यक्ति को खुले में पेशाब करते देखा, मैंने उसे समझाने के लिए सजा दी थी ताकि वह भविष्य में ऐसी हरकत न करे। जब वकीलों ने शौचालय की गंदगी की बात उठाई तो मैंने अपनी जिम्मेदारी स्वीकारी और उनके सामने उठक-बैठक की। मेरा मकसद किसी को अपमानित करना नहीं था बल्कि स्वच्छता और अनुशासन का संदेश देना था।

यह घटना ईमानदार अफसरों का अपमान

आपको बता दें कि पुवायां तहसील में यह विवाद तब और गहरा गया जब वकीलों ने रिंकू सिंह की कार्रवाई को अपने सम्मान के खिलाफ माना। वकीलों का कहना था कि तहसील परिसर के शौचालय गंदे हैं, जिसके कारण लोग बाहर पेशाब करने को मजबूर हैं। इस पर रिंकू सिंह ने अपनी जिम्मेदारी स्वीकारी और कहा कि अगर शौचालय की स्थिति खराब है तो यह प्रशासन की लापरवाही है और उन्होंने यह भी कहा कि वह इस मामले में सुधार करेंगे, लेकिन वकीलों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उन्होंने रिंकू सिंह से न केवल माफी मांगने की मांग की बल्कि उन्हें कान पकड़कर उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया। वहीं यह सीन जिसमें एक आईएएस अफसर कोट-पैंट-टाई में वकीलों के सामने कान पकड़कर उठक-बैठक करता नजर आया, न केवल चौंकाने वाला था बल्कि यह प्रशासनिक गरिमा पर भी एक बड़ा सवाल खड़ा करता है। वहीं कुछ लोग इसे योगी सरकार में ब्यूरोक्रेसी की कमजोरी और ईमानदार अफसरों के अपमान के रूप में देख रहे हैं।

महाराष्ट्र को विवादों से है गहरा नाता

» चुनाव और वोटरों की समस्या पर सियासी पार्टियों का खुलासा

» सत्ता पक्ष व विपक्ष कई मुद्दों पर मतभेद

» सत्ताधारी महायुति गठबंधन में मंत्रियों के बीच खटपट सामने आई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विवादों ने जैसे गहरा नाता जोड़ लिया है। कभी चुनावों में विपक्ष द्वारा फर्जी वोटिंग का मामला छिड़ा रहता है वहीं वहां की सत्ताधारी महायुति गठबंधन में मंत्रियों के बीच खटपट सामने आने के बाद से सरकार विपक्ष के निशाने आ गई है। सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट और राज्य मंत्री माधुरी मिसाल के बीच विभागीय बैठकों पर छिड़े लेटर वॉर ने अधिकार क्षेत्र को लेकर खींचतान उजागर की है, जहाँ शिरसाट ने मिसाल पर बिना अनुमति के बैठकें करने का आरोप लगाया। यह विवाद भाजपा और शिंदे शिवसेना के बीच बढ़ती दरार का संकेत है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब मिसाल ने विधायकों के अनुरोध पर बैठकें बुलाईं और अधिकारियों को निर्देश जारी किए कथित तौर पर शिरसाट को सूचित या परामर्श किए बिना। इससे यह अटकलें तेज हो गई हैं कि भाजपा शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के मंत्रियों को दरकिनार कर रही है। कड़े शब्दों में लिखे पत्र में शिरसाट ने मिसाल पर उनकी मंजूरी के बिना समीक्षा बैठकें आयोजित करने का आरोप लगाया तथा उन्हें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि भविष्य में सभी बैठकें उनकी अध्यक्षता में आयोजित की जाएं। उन्होंने मिसाल को लिखे पत्र में कहा कि में ज्ञात है कि इस संबंध में मेरे स्तर पर कई बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसलिए, प्रशासनिक दृष्टि से उचित समन्वय के लिए, आपको आवंटित विषयों के अलावा, अन्य विषयों पर बैठक आयोजित करने के लिए मेरी पूर्व अनुमति आवश्यक है।

भाजपा मंत्री का तीखा खंडन

भाजपा मंत्री ने तीखा खंडन करते हुए कहा कि राज्य मंत्री होने के नाते उन्हें बिना पूर्वानुमति के समीक्षा बैठकें बुलाने का अधिकार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन बैठकों में कोई आधिकारिक निर्णय नहीं लिए गए, केवल सुझाव दिए गए, जो उनके अनुसार उनकी ज़िम्मेदारियों के दायरे में थे। उन्होंने एक पत्र में कहा कि सामाजिक न्याय विभाग की राज्य मंत्री होने के नाते, मुझे विभाग की समीक्षा बैठकें आयोजित करने का अधिकार है। मुझे इन बैठकों के आयोजन के लिए आपकी पूर्व अनुमति लेने की आवश्यकता महसूस नहीं होती।

शिरसाट के अधिकार क्षेत्र को चुनौती

शिरसाट को उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर होने के दावों को साबित करने की चुनौती देते हुए, मिसाल ने उनके अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करने से इनकार किया। उन्होंने 150 दिनों के सरकारी कामकाज की समीक्षा करने के मुख्यमंत्री के निर्देश का हवाला देते हुए कहा कि उनके कार्य उनकी जिम्मेदारियों के दायरे में थे। मिसाल ने यह भी कहा कि 19 मार्च, 2025 को मंत्री और राज्य मंत्री के बीच औपचारिक रूप से निर्धारित कर्तव्यों के बंटवारे में, महाराष्ट्र सरकार के 1975 के नियमों के अनुसार, मुख्यमंत्री की मंजूरी का अभाव था। इसके बावजूद और औपचारिक विभागीय रिकॉर्ड के अभाव में, उन्होंने कहा कि वह बिना किसी आपत्ति के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही थीं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

किशोर व बच्चे में अवसाद खतरे के संकेत

भारत समेत विश्व के कई देशों में किशोर बच्चे अवसाद से ग्रसित हो रहें है। ये समस्स एक बड़े खतरे का संकेत दे रहे हैं। आजकल की भाग-दौड़ वाली दुनिया में मानसिक समस्याएं बड़ी तेजी से लोगों को अपना शिकार बनाती जा रही हैं। इसका प्रभाव इतना तीक्ष्ण और विकराल होता है कि इससे न तो कोई देश बचा है, और न ही कोई राज्य... इसके घातक प्रभाव से अछूता आज न तो कोई गांव है, न कोई शहर और न ही कोई गली-मोहल्ल। इसका शिकार बच्चे, किशोर, बड़े, वृद्ध, स्त्री और पुरुष सभी हो रहे हैं, लेकिन आंकड़ों की बात करें तो विशेष रूप से, बच्चों और किशोरों में यह समस्या कुछ ज्यादा ही जटिल होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की मेन्टल हेल्थ ऑफ चिल्ड्रन एंड यंग पीपल नामक ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 10 से 19 वर्ष का प्राय: प्रत्येक सातवां बच्चा किसी-न-किसी प्रकार की मानसिक समस्या से जूझ रहा है। बच्चों की मासूमियत खत्म होती जा रही है। उनकी फूल-सी मुस्कराहट कहीं खोती जा रही है। वे बेहद गुस्सैल होते जा रहे हैं।

वे बात-बात पर क्रोध करने लगे हैं। उनकी बात नहीं सुनी और मानी जाए तो वे आपे से बाहर हो जाते हैं। यहां तक कि कई बार तो अपने माता-पिता और अभिभावक के ऊपर हमले करने से भी वे नहीं चूकते। जाहिर है कि ऐसे में उनके माता-पिता को यह समझ में ही नहीं आता कि जो बच्चे कुछ महीने, साल पहले तक मासूमियत से भरे बिल्कुल सामान्य व्यवहार वाले थे, हर पल खेलते-कूदते, हंसते-मुस्कराते, गाते-गुनगुनाते और आयु के अनुरूप शरारतें करते रहते थे, आखिर क्या कारण है कि अचानक उनका व्यवहार इस प्रकार बदल गया कि वे उन्हें बिल्कुल सुनना और मानना ही नहीं चाहते। इसे विडंबना नहीं तो और क्या कहा जाए कि खेलने-कूदने और खाने-पीने की आयु में देश के बच्चों और किशोरों में बैचेनी, डिप्रेशन और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं आज गंभीर से गंभीरतम रूप लेती जा रही हैं। बच्चे एंग्जाइटी और डिप्रेशन का सामना कर रहे थे। यूनिसेफ के एक अनुमान के मुताबिक कोरोना महामारी के बाद ये आंकड़े पहले की तुलना में कई गुना अधिक बढ़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि पूरी दुनिया में 30 करोड़ से भी अधिक लोग एंग्जाइटी से जूझ रहे हैं और 28 करोड़ लोग डिप्रेशन का सामना कर रहे हैं। विज्ञान आधारित दुनिया भर में प्रसिद्ध जर्नल द लैंसेट साइकिएट्री में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में 75 प्रतिशत टीनएजर्स एंग्जाइटी और डिप्रेशन से जूझ रहे हैं।

“ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की मेन्टल हेल्थ ऑफ चिल्ड्रन एंड यंग पीपल नामक ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 10 से 19 वर्ष का प्राय: प्रत्येक सातवां बच्चा किसी-न-किसी प्रकार की मानसिक समस्या से जूझ रहा है। बच्चों की मासूमियत खत्म होती जा रही है। उनकी फूल-सी मुस्कराहट कहीं खोती जा रही है। वे बेहद गुस्सैल होते जा रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एआई से पारंपरिक शिक्षा को कितना खतरा

डॉ. संजय वर्मा

एआई तकनीक मौलिक चिंतन की जगह नहीं ले सकती है। वह एक कैल्कुलेटर की तरह गणनाएं कर सकती है, खुद में दर्ज डाटा की स्मृतियों के बल पर एक सवाल के कई जवाब दे सकती है, उनमें हर बार कोई नयापन ला सकती है, लेकिन जब बात किसी नई स्थिति में मौलिक उपाय सुझाने की आती है, तो मामला फंस जाता है। करीब पौने तीन साल पहले 30 नवंबर, 2022 को जब ओपन एआई नामक कंपनी ने कृत्रिम बुद्धिमता यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, एआई संचालित पहला भाषाई चैटबॉट-चैटजीपीटी लॉन्च किया था, तो सनसनी फैलाने वाले इस आविष्कार को लेकर सबसे तीखी प्रतिक्रियाएं शिक्षा जगत से ही मिली थीं। पदार्पण के पांच दिनों के अंदर दुनिया भर में चैटजीपीटी के दस लाख लोगों के ग्राहक बनने के बावजूद शुरुआती दिनों में ही अमेरिका में कुछ विश्वविद्यालयों में चैटजीपीटी के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी गयी थी।

न्यूयॉर्क और सिएटल स्थित विश्वविद्यालयों-कॉलेजों के प्रशासन ने सुनिश्चित किया था कि उनके छात्र कैंपस में मौजूद रहने के दौरान अपने स्मार्टफोन और लैपटॉप तथा सर्वर से जुड़े कंप्यूटरों पर चैटजीपीटी नहीं खोल पाएं। अभी इस चर्चा का महत्व यह है कि चैटजीपीटी को वजूद में लाने वाली कंपनी- ओपनएआई के संस्थापक और सीईओ सैम ऑल्टमैन ने दावा किया है कि जिस तेजी से एआई तकनीक दुनिया में पांव पसार रही है, उन्हें नहीं लगता कि उनका बेटा आगे की पढ़ाई के लिए कॉलेज जाएगा। वैसे तो भारत से ज्यादा ऑल्टमैन का बयान अमेरिकी-यूरोपीय विश्वविद्यालयों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए, क्योंकि उच्च स्तरीय शिक्षा मानकों वाली पढ़ाई के बल पर वे दुनिया भर के छात्रों के आकर्षण के केंद्र में रहे हैं। दूसरी बार सत्ता में आए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रवासियों के मुद्दे और अमेरिकी विश्वविद्यालयों में वैचारिक स्वतंत्रता को लेकर जिस तरह की भिड़ंत के मूड में हैं, अगर उसे दरकिनार रख दें तो इन मुल्कों के आला दर्जे के विश्वविद्यालयों की प्रतिष्ठा अभी तक तो बची रही है।

लेकिन एआई के तरह-तरह के मॉडल बनाने वाली कंपनियां जिस तेजी से शिक्षा के लिए चुनौतियां पेश कर रही हैं, उससे ऑल्टमैन द्वारा खड़ी की गई यह चेतावनीपूर्ण आशंका अपनी जगह सही लगती है कि पारंपरिक शिक्षा का भविष्य सच में खतरे में है। अध्यापकों के लिए चुनौती यह है कि कैसे वे अपने

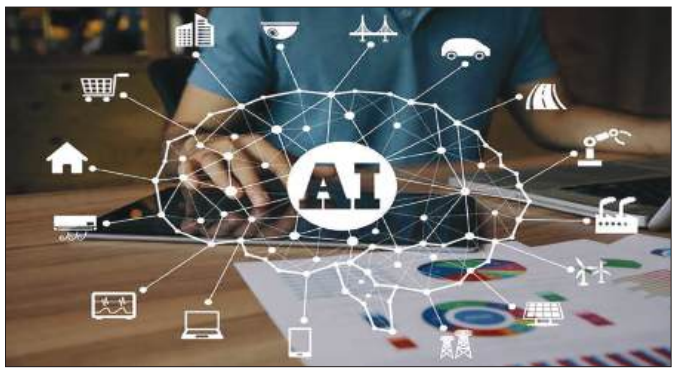

छात्रों को एआई के इस्तेमाल से रोकें। स्कूल-कॉलेज के सामान्य पाठ्यक्रमों में ही नहीं, पीएचडी के लिए शोधकार्य कर रहे छात्र तक धड़ल्ले से एआई की मदद अपने शोधपत्र आदि में ले रहे हैं। ऐसा एक चर्चित मामला अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय का है, जहां पीएचडी के एक छात्र को परीक्षा में एआई के इस्तेमाल का दोषी पाते हुए निष्कासित कर दिया गया था। शोधकार्यों की जटिलता, पवित्रता और महत्ता के मद्देनजर इस कार्रवाई को उचित ठहराया जा सकता है, हालांकि छात्र ने एआई संबंधी जांच में अनियमितता का आरोप लगाते हुए विश्वविद्यालय पर उचित प्रक्रिया नहीं अपनाने और प्रोफेसर के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। इससे उलट एक मामला नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी का है, जहां एक वरिष्ठ छात्रा ने अपने प्रोफेसर के खिलाफ यह शिकायत दर्ज कराई कि पढ़ाने के लिए उन्होंने जिस सामग्री का इस्तेमाल किया, वह हूबहू एआई टूल्स से तैयार की गई थी। छात्रा ने इस आधार पर अपनी ट्यूशन फीस वापसी की मांग की। प्रोफेसर ने कई एआई के इस्तेमाल की बात स्वीकार की और पारदर्शिता की जरूरत को माना। इन घटनाओं की रोशनी में देखें, तो ऑल्टमैन जिस चुनौती और आशंका की बात कह रहे हैं, वह अपनी जगह सही लगती है। इसका अहसास होता है कि जिस तरह से और जिस तरह की शिक्षा ऊंचे से ऊंचे विश्वविद्यालयों में दी जा रही है, अगर उसका ढर्रा नहीं बदला गया, तो छात्र अगले पांच-सात वर्षों में एआई गुरु के पांव लगते ही नजर आएंगे। इसलिए पारंपरिक शिक्षा के केंद्रों और मॉडल को बचाना है, तो जिस युद्ध स्तर पर एआई उसे खत्म करने पर तुला है, उससे कई गुना ज्यादा ताकत से उसे बचाने की जंग छेड़नी होगी।

प्रश्न है कि फिर ऐसा क्या करना होगा, जिससे उच्च शिक्षा की नैतिकता, पवित्रता और अक्षुण्णता कायम रह सके। हमें ठहरकर सोचना होगा कि आखिर उच्च शिक्षा मूल स्वरूप में अपने छात्रों को क्या देती है। आज जिस तरह का शिक्षा का मॉडल हमारे देश में अपनाया जा रहा है, उसमें उच्च शिक्षा का मतलब रैंकिंग और तरह-तरह के सितारे लगाने वाली शोध प्रणाली को अपनाने पर जोर है, वह कागजों पर आला दर्जे की लगती है। ऐसे नियमों-मानदंडों का पालन करने वाले शिक्षण संस्थान बड़े जोरशोर से अपनी रैंकिंग का ढिंढोरा पीटते हैं।

प्राकृतिक खेती व सरस रिश्ते से बनेगी बात

भारत डोगरा

कुछ लोग कहते हैं कि प्राकृतिक कृषि से उत्पादन कम होता है, पर मेहनत व सूझबूझ से कार्य किया जाए तो प्राकृतिक खेती में कम खर्च पर भी अच्छा उत्पादन हो सकता है व उत्पादन की गुणवत्ता कहीं बेहतर होती है। कम भूमि हो तो भी विविध फसलों का उत्पादन इस तरह के फसल चक्र व मिश्रित पद्धति से होना चाहिए ताकि विभिन्न फसलें एक-दूसरे की पूरक हों।

पंजाब, हरियाणा व पश्चिम उत्तर प्रदेश के गांवों को एक समय देश के समृद्ध गांवों में माना गया, पर धीरे-धीरे यह स्पष्ट होता गया कि मिट्टी के प्राकृतिक उपजाऊपन में कमी, जल-स्तर नीचे जाने, पर्यावरण की क्षति, नशे में वृद्धि, जैसे कारणों से यहां की समस्याएं बढ़ रही हैं। समाज-सुधार व संतुलित विकास के मिलन की यहां बहुत जरूरत है, पर इसके अभाव में लोगों के दुख-दर्द कम नहीं हो पा रहे हैं। अत: आज सुधार व विकल्पों पर अधिक ध्यान देने से जरूरत है। कृषि में खर्च कम करने पर और प्राकृतिक खेती के प्रसार पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। मिट्टी का प्राकृतिक उपजाऊपन लौटना चाहिए। इसमें उपस्थित केंचुए व सूक्ष्म जीव लौटने चाहिए। जल का अत्यधिक दोहन नहीं करना चाहिए।

साथ में वर्षा के जल संरक्षण के उपाय सभी गांवों में अपनाने चाहिए। परागीकरण व अन्य प्राकृतिक क्रियाओं में मददगार कीट पतंगों व पक्षियों की रक्षा होनी चाहिए। कुछ लोग कहते हैं कि प्राकृतिक कृषि से उत्पादन कम होता है, पर मेहनत व सूझबूझ से कार्य किया जाए तो प्राकृतिक खेती में कम खर्च पर भी अच्छा उत्पादन हो सकता है व उत्पादन की गुणवत्ता कहीं बेहतर होती है। कम भूमि हो तो भी विविध फसलों का उत्पादन इस तरह के फसल चक्र व मिश्रित पद्धति से होना चाहिए ताकि विभिन्न फसलें एक-दूसरे की पूरक हों। लेखक देश के विभिन्न भागों में ऐसे कितने ही छोटे किसानों से मिल चुका है जो कम भूमि का ही उत्तम उपयोग करते हुए वर्ष में बीस-तीस तरह के उत्तम गुणवत्ता के अनाज, दलहन, तिलहन, सब्जी, फल, मसाले आदि प्राकृतिक पद्धति से उगा रहे हैं व प्रसन्न हैं। किसान कम खर्च की तकनीक अपनाएं तभी कर्ज मुक्त रह सकेगा व किसान का कर्ज मुक्त रहना सबसे जरूरी है।

दूसरी मुख्य बात यह है कि एक समग्र नशा विरोधी अभियान निरंतरता से चलना चाहिए। इसके अंतर्गत महिलाओं के नेतृत्व व युवाओं की भागीदारी से सभी तरह के नशों-शराब, तंबाकू, बीड़ी-सिगरेट, गुटखे, ड्रग, चिट्टे, नशीली दवा आदि के विरोध का अभियान निरंतरता से चलना चाहिए। गांव में ऐसा माहौल बनना चाहिए कि नशे की भावना न्यूनतम हो सके। गांव में सभी सदस्यों में एकता व भाईचारा बढ़ना चाहिए। सभी आपसी मेलजोल से, व एक-दूसरे का सहयोग करते हुए चलेंगे तो बहुत सी नाहक उत्पन्न हुई समस्याएं अपने आप दूर हो जाएंगी, जीवन सुखद हो जाएगा, तनाव कम हो जाएंगे व मिल-जुलकर ग्राम-सुधार के रचनात्मक कार्य करने की संभावना बढ़ जाएगी।

महिलाओं को आगे आने व गांव के समाज-सुधार का नेतृत्व संभालने के अवसर अधिक मिलने चाहिए। शादी-ब्याह, मौज-मस्ती, दहेज, लेन-देन पर जो खर्च बढ़ते जा रहे हैं, उन्हें कम करना बहुत जरूरी है। एक समय था जब गांव समुदाय की पहल पर ही कई सुधार कार्य हो रहे थे पर अब यह कम हो गए हैं व तरह-तरह की फिजूलखर्ची होने के कारण कई परिवार कर्ज के संकट में फंसते जा रहे हैं। हमें जीवन की खुशियों को बेहतर सामाजिक व पारिवारिक संबंधों से प्राप्त करना चाहिए व इसके लिए फिजूलखर्ची पर निर्भर नहीं होना चाहिए। गांवों में छोटे-मोटे सभी झगड़ों का निपटारा ग्राम स्तर पर न्यायसंगत ढंग से करने का प्रयास करना चाहिए व व्यर्थ की मुकदमेबाजी व झगड़ों को लंबा खींचने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए।

कोई भूस्वामी हो या भूमिहीन, इस जाति का हो या उस जाति का, गांव समुदाय के अभिन्न अंग के रूप में सभी को सम्मान मिलना चाहिए व अपेक्षाकृत साधन-सम्पन्न परिवारों का भरसक प्रयास यह होना चाहिए कि यदि गांव में कोई भी परिवार अधिक अभावग्रस्त व समस्याग्रस्त है तो प्राथमिकता के आधार पर उस परिवार की अधिक सहायता की जाए। पंचायतों व समाज-सुधार संस्थाओं को अधिकतम लोगों की भागीदारी प्राप्त कर सामूहिक भलाई, पर्यावरण रक्षा व समाज-सुधार के अनेक रचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाना चाहिए। एक बड़ी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि सामान्य सहमति बनाकर हर तरह की महिला-विरोधी हिंसा को गांव में पूरी तरह समाप्त कर दिया जाए। इस तरह गांवों में अनेक तनावों व अनेक तरह की क्षति को बहुत कम किया जा सकता है। आश्चर्य है कि जब गांव की व उसके आसपास इतने रचनात्मक कार्यों की संभावनाएं हैं तो इसकी उपेक्षा क्यों हो रही है। इन प्रयासों में बुजुर्गों व युवाओं, महिलाओं व पुरुषों, बच्चों व किशोर-किशोरियों सभी की रचनात्मक भूमिका होनी चाहिए। बुजुर्गों का आशीर्वाद सदा प्राप्त करना चाहिए पर साथ में बुजुर्गों को यह ध्यान रखना चाहिए कि वे सुधार की राह में बाधा न बनें।

कर्नाटक की इन जगहों पर नहीं लगती है गर्मी

गर्मियों की चिलचिलाती धूप और उमस से राहत पाने के लिए लोग उत्तर भारत के हिल स्टेशनों की ओर रुख करते हैं। जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के हिल स्टेशन गर्मियों में सुहाने और ठंडे मौसम के कारण पर्यटकों के पसंदीदा होते हैं। हालांकि इस बार गर्मियों में उत्तर भारत की बजाए दक्षिण भारत में घूमने की योजना बना सकते हैं। दक्षिण भारत में सिर्फ समुद्र तट और प्राकृतिक हरियाली ही देखने को नहीं मिलती, बल्कि गर्मी में ठंडे मौसम का भी आनंद उठा सकते हैं। दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक के कुछ हिल स्टेशन और प्राकृतिक जगहें गर्मियों में घूमने के लिए अपनी बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। यहां मौसम सालभर सुहावना रहता है और गर्मियों में भी ठंडी हवाएं राहत देती हैं।

चिकमंगलूर

शांत वातावरण और हरियाली से भरपूर नजारों के बीच छुट्टी मनाना चाहते हैं तो कर्नाटक के चिकमंगलूर की यात्रा कर सकते हैं। चिकमंगलूर में मल्लायगिरी पीक, हेब्बे फॉल्स और बाबा बुदनगिरी नाम की शानदार जगहे हैं, जहां आप घूमने जा सकते हैं। गर्मियों में यहां हल्की ठंडी और ताजगी रहती है।

अगुंबे

कर्नाटक में एक स्थान है, जिसे दक्षिण का चेरापूंजी कहा जाता है। अंगुबे नाम की इस शानदार जगह में सुंदर वॉटरफॉल्स हैं, जहां आप पिकनिक मना सकते हैं। सनसेट पॉइंट पर पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिता सकते हैं और जंगल ट्रेल्स में दोस्तों संग मस्ती की जा सकती है। अंगुबे बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट के लिए लोकप्रिय है। यहां मानसून या गर्मी दोनों ही मौसम में ठंडक रहती है।

शिवगंगे हिल्स

एडवेंचर लवर्स के लिए यह जगह शानदार है। गर्मियों में शिवगंगे हिल्स पर ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां तीर्थ भी है। शिवगंगे मंदिर और प्राकृतिक नजारे का दीदार करने के लिए यहां पहुंचें। यहां का मौसम सामान्यतः 20 से 25 डिग्री के बीच रहता है।

कूर्ग और कुद्रेमुख

कूर्ग को दक्षिण भारत का स्कॉटलैंड कहा जाता है। यहां पर्यटकों के घूमने के लिए कई विकल्प हैं। कॉफी के बागान, एबी फॉल्स, राजास सीट और मदिकेरी किला जरूर देखने जाएं। कूर्ग का तापमान मई-जून में भी 15 से 25 डिग्री के बीच रहता है, जो गर्मी के हिसाब से काफी कम है। गर्मियों में वाइल्डलाइफ और ट्रेकिंग का लुत्फ उठाने के लिए कुद्रेमुख परफेक्ट है। यहां कुद्रेमुख नेशनल पार्क और हनुमानगुंडी वॉटरफॉल घूमने जा सकते हैं। यहां गर्मियों में बदली वाला मौसम होता है और ठंडी हवाएं गर्मी से राहत देती हैं।

हंसना मना है

पप्पू- गप्पू से, तुम चाय पीने के लिए किस हद तक जा सकते हो? गप्पू- एक बार तो लड़की तक देखने चला गया था...

मास्टर - बेटा, अगर सच्चे दिल से भगवान से प्रार्थना की जाए तो वो जरूर सफल होती है... पप्पू - रहने दो सर, अगर ऐसा होता तो आप मेरे सर नहीं, ससुर होते...

पुलिस- तुम्हारे सामने चोर उस लड़की का पर्स छीन रहा था और तुमने उसकी कोई मदद नहीं की... लड़का- मैं उस लड़की को जानता हूं, उसने व्हाट्सएप स्टेटस डाला है- मैं अपनी प्रॉब्लम्स खुद सॉल्व कर सकती हूं, अपने काम से काम रखो! पुलिस - फिर ठीक है, उसकी प्रॉब्लम वो जाने...!!!

दो आदमी शराब के नशे में धुत्त होकर रेल की पटरियों के बीचों-बीच जा रहे थे। पहला आदमी- हे भगवान, मैंने इतनी सीढ़ियां पहले कभी नहीं चढ़ीं। दूसरा आदमी- अरे सीढ़ियां तो ठीक हैं, मैं तो इस बात को लेकर हैरान हूं कि हाथ से पकड़ने के लिए रेलिंग कितने नीचे लगी हुई हैं।

कहानी | गलत आदत

एक बार बादशाह अकबर किसी एक बात को लेकर बहुत परेशान रहने लगे थे। जब दरबारियों ने उनसे पूछा, तो बादशाह बोले कि हमारे शहजादे को अंगूठा चूसने की बुरी आदत पड़ गई है, अकबर की परेशानी सुनकर किसी दरबारी ने उन्हें एक फकीर के बारे में बताया, जिसके पास हर मर्ज का इलाज था। बादशाह ने उस फकीर को दरबार में आने का निमंत्रण दिया। जब फकीर दरबार में आया, तो बादशाह अकबर ने उन्हें अपनी परेशानी के बारे में बताया। फकीर ने बादशाह की पूरी बात सुनकर परेशानी को दूर करने का वादा किया और एक हफ्ते का समय मांगा। जब एक हफ्ते के बाद फकीर दरबार में आया, तो उन्होंने शहजादे को अंगूठा चूसने की बुरी आदत के बारे में प्यार से समझाया और उसके नुकसान भी बताए। फकीर की बातों का शहजादे पर बहुत प्रभाव पड़ा और उसने अंगूठा न चूसने का वादा भी किया। सभी दरबारियों ने यह देखा, तो बादशाह से कहा कि जब यह काम इतना आसान था, तो फकीर ने इतना समय क्यों लिया। आखिर उसने क्यों दरबार का और आपका समय खराब किया।' बादशाह दरबारियों की बातों में आ गए और उन्होंने फकीर को दंड देने की ठान ली। सभी दरबारी बादशाह का समर्थन कर रहे थे, लेकिन बीरबल चुपचाप था। बीरबल को चुपचाप देख, अकबर ने पूछा, 'तुम क्यों शांत हो बीरबल?' बीरबल ने कहा कि जहांपनाह गुस्ताखी माफ हो, लेकिन फकीर को सजा देने के स्थान पर उन्हें सम्मानित करना चाहिए और हमें उनसे सीखना चाहिए।' तब बादशाह ने गुस्से में कहा कि तुम हमारे फैसले के खिलाफ जा रहे हो। आखिर तुमने ऐसा सोच भी कैसे लिया, जवाब दो।'तब बीरबल ने कहा कि महाराज पिछली बार जब फकीर दरबार में आए थे, तो उन्हें चूना खाने की बुरी आदत थी। आपकी बातों को सुनकर उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्होंने पहले अपनी इस गंदी आदत को छोड़ने का फैसला लिया फिर शहजादे की गंदी आदत छुड़ाई।' बीरबल की बात सुनकर दरबारियों और बादशाह अकबर को अपनी गलती का एहसास हुआ और सभी ने फकीर से क्षमा मांगकर उसे सम्मानित किया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे।

वृषभ चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। समय नेष्ट है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

कर्क व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रमाद न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

सिंह व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

मकर व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। राजभय रहेगा।

कुम्भ प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी।

मीन व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। मान-सम्मान मिलेगा।

बॉलीवुड | पैटर्निटी लीव

छावा एक्टर विनीत कुमार ने लिया एक्टिंग से ब्रेक

विनीत कुमार सिंह 24 जुलाई के पापा बने हैं। दरअसल उनकी पत्नी रुचिरा ने बेटे को जन्म दिया है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ पिता बनने की खुशी शेयर की थी। वहीं अब एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने खुलासा किया है कि वे पैटर्निटी लीव लेने जा रहे है ताकि वे अपने परिवार संग समय बिता सकें। विनीत ने बताया कि उन्होंने काम से छुट्टी ले ली है और कहा, फिलहाल मेरा पूरा ध्यान अपने परिवार पर है। मैंने जानबूझकर छुट्टी ली क्योंकि मैं एक भी पल नहीं गंवाना चाहता था। प्रेग्नेंसी के दौरान भी, मैंने यह सुनिश्चित किया कि मैं हमेशा मौजूद रहू। काम जल्दी निपटाता, रुचिरा के हर चेक-अप के लिए उसके साथ जाता, और जितना हो सके, हर काम में हाथ बंटाने की कोशिश करता था। पिता बनने के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, इसे शब्दों में बयां करना भी मुश्किल है। जिस पल मैंने अपने बेटे को देखा, सब कुछ बदल गया। आपके अंदर एक शांत बदलाव होता है, और अचानक, कुछ भी ज़्यादा महत्वपूर्ण नहीं लगता। मुझे नहीं पता था कि मैं ऐसा महसूस कर सकता हूं। उसकी हर मुस्कान, उसकी हर छोटी सी आवाज मेरे लिए अब भी बहुत खास है। मैं सीख रहा हूं, लेकिन यह एक बेहद खूबसूरत एहसास है। लोग कहते हैं कि जब आप माता-पिता बनते हैं तो आपकी दुनिया बदल जाती है, और आखिरकार मैं समझ पाया कि उनका क्या मतलब है। बता दें कि मई 2025 में, विनीत ने अपनी पत्नी रुचिरा सिंह के साथ तस्वीरें शेयर करके प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। तस्वीरों में एक्टर की पत्नी अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती हुई नजर आई थीं। वहीं 24 जुलाई को, एक्टर ने एक इमोशनल पोस्ट शेयर करते हुए अपने बेटे के जन्म की अनाउमेंट की थी। पोस्ट में उन्होंने लिखा, ईश्वर की असीम कृपा है! दुनिया, हट जाओ, सबसे छोटा सिंह आ गया है, और वह अभी से दिल और दूध की बोतलें चुरा रहा है। इस अनमोल नन्ही सी खुशी के लिए ईश्वर का शुक्रिया!

बॉलीवुड | मसाला

29 अगस्त को स्क्रीन पर जलवा बिखेरेगी परम सुंदरी

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर स्टारर मच अवेटेड रोमांटिक कॉमेडी फिल्म परम सुंदरी को नई रिलीज डेट मिल गई है। पिछले काफी लंबे समय से इसकी रिलीज डेट को लेकर सस्पेंस बना हुआ था और अब आखिरकार मेकर्स ने इसे ऑफिशियल कर दिया है। तुषार जलोटा हैं फिल्म के निर्माता सोशल मीडिया पर एक नए मोशन पोस्टर के जरिए इसकी घोषणा की गई। नए प्रमोशनल वीडियो की शूटिंग तब की गई थी जब दोनों कलाकार मैडॉक ऑफिस में नजर आए थे। कैप्शन में लिखा था, साल की सबसे बड़ी प्रेम कहानी, दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स की, तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित, सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर अभिनीत, परम सुंदरी, 29 अगस्त को रिलीज हो रही है।

फिल्म पहले 25 जुलाई को रिलीज होने वाली थी। ये फिल्म अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2 से क्लैश होने वाली थी जोकि एक ही दिन रिलीज हो रही थीं। हालांकि अब उसकी भी रिलीज टल गई है। इसी के साथ ही फिल्म का पहला रोमांटिक गाना परदेसिया भी रिलीज कर दिया गया है। फैंस दिल वाले इमोजी बनाकर इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। फिल्म में नॉर्थ और साउथ का रोमांस दिखाया गया है। तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित, परम सुंदरी अब 29 अगस्त, 2025 को स्क्रीन पर आएगी। तुषार जलोटा इससे पहले अभिषेक बच्चन अभिनीत फिल्म दसवीं का निर्देशन कर चुके हैं। इसके बाद टाइगर श्रॉफ और संजय दत्त अभिनीत फिल्म बागी 4, 5 सितंबर को स्क्रीन पर रिलीज होगी।

विजय सेतुपति पर लगा कास्टिंग काउच का आरोप

फिल्मी सितारों का नाम अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा का विषय बना रहता है। कभी अपनी प्रोफेशनल लाइफ तो कभी निजी मसलों के कारण स्टार्स सुर्खियां बटोरते हैं। फिलहाल साउथ सिनेमा के सुपरस्टार विजय सेतुपति भी कास्टिंग काउच जैसे आरोपों को लेकर विवादों में आ गए है।

सोशल मीडिया पर राम्या मोहन नाम की एक महिला के पोस्ट ने खलखली मचा दी है, जिसमें अभिनेता पर इस तरह के गंभीर आरोपों को लगाया गया है और तमिल फिल्म की गंदी संस्कृति का दावा किया गया है। आइए मामले को विस्तार से जानते हैं।

क्या है पूरा मामला?

हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल पर राम्या मोहन नाम की फीमेल यूजर ने विजय सेतुपति और कॉलीवुड (तमिल सिनेमा) पर गंभीर आरोप लगाए हैं, वायरल ट्वीट में ये दावा किया गया है- कॉलीवुड में कास्टिंग काउच, इग्स, मानसिक शोषण और कमजोर लोगों के साथ गलत व्यवहार का चलन पुराना है। इस गंदी संस्कृति का हिस्सा अभिनेता विजय सेतुपति भी हैं। कॉलीवुड में ये सब मजाक नहीं है, मेरी एक परिचत लड़की ही इसका शिकार हुई है, उसे इस गंदगी में धकेला गया है। आज वो रीहेब सेंटर में मौजूद है। विजय ने उसे कारवेन फेवर के लिए 2 लाख और ड्राइव के लिए 50 हजार की रकम ऑफर की थी। उसने सालों तक उसके साथ खिलवाड़ किया और असल जिंदगी में बड़ा सीधा साधा बनता फिरता है। हालांकि, बाद में इन ट्वीट को राम्या मोहन ने डिलीट कर दिया है। लेकिन उनके इन दावों और आरोपों में कितनी सच्चाई है, उसके बारे में फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं की जा सकता है। इसके अलावा विजय सेतुपति या उनकी टीम की तरफ से इसको लेकर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है और नहीं कोई पुलिस शिकायत दर्ज हुई है।

एक्स पर राम्या मोहन का हैंडल चलाने वाली महिला की अभी कोई पहचान सामने नहीं आई है। ऐसे में अभी तय नहीं किया जा सकता है कि उसने विजय सेतुपति पर जो आरोप लगाए हैं, वह सही हैं या गलत। लेकिन कयास ये भी लगाए जा रहे हैं कि ऐसा अभिनेता की छवि खराब करने को लेकर भी किया जा सकता है।

अजब-गजब | गजब है इस लड़की की कहानी

चोरों की नानी, हर दिन चुराती थी 7-8 लाख का सामान, 28 बार भेजी गई जेल

एक लड़की, जिसने दुकानों से सामान चुराकर 315 करोड़ रुपये की 'अजब-गजब' कमाई कर ली! नाम है कीली नोल्स, उम्र 42 साल। ब्रिटेन की रहने वाली इस लड़की की कहानी सुनकर आप चौंक भी जाएंगे और सोच में भी पड़ जाएंगे कि बस रास्ता भटक जाए तो इंसान कहां से कहां पहुंच सकता है। कीली साधारण परि?वार में पैदा हुई, लेकिन 13 साल की उम्र में जब वो एक 21 साल के शख्स से मिली तो उसकी जिंदगी बदल गई। वह हेरोइन की लत में फंस गई और फिर शुरू हुआ उसका 'क्राइम करियर'।

कीली हर दिन सुबह उठती, पहले दुकानों में फोन करके पता करती कि सिक्योरिटी कितनी मजबूत है, फिर निकल पड़ती 'मॉल मिशन' पर। हर दिन 7 से 8 लाख रुपये तक का लग्जरी सामान चुराती और व्हाट्सऐप पर फोटो भेजकर बेच भी देती। उसके पास 150 ग्राहकों की लिस्ट थी। वो कहती है, मुझे पता होता था किसका पे-डे कब है, किसके बच्चे का साइज क्या है, किसे कौन-सा ब्रांड पसंद है। चोरी मेरा धंधा बन गया था। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक,

कीली ने बताया कि सिर्फ दो दिन उसने दुकान से चोरी नहीं की, जब दुकानें बंद थीं। बाकी पूरे साल वो चोरी करती रही। दुकानों में सामान भरकर बाहर लाने के लिए उसे कई बार सुपरमार्केट की ट्रॉली तक लेनी पड़ती थी। कीली को ब्रिटेन में 28 बार और एम्स्टर्डम में 3 बार जेल जाना पड़ा। एक सुरक्षा गार्ड ने दावा किया कि उसने सिर्फ एक स्टोर से 30 करोड़ रुपये से ज्यादा का माल चुराया।

वो कहती है, मैं एक दिन में करीब 7 ग्राम हेरोइन लेती थी, करीब 1 लाख रुपये का नशा हर दिन। मेरे नाना-नानी को लगता था कि मुझे फ्लू है, लेकिन मैं नशे की हालत में थी। फिर एक मोड़ आया। एक दिन उसने पुलिस की अफेंडिंग रिकवरी स्कीम में हिस्सा लिया। एक सुरक्षा गार्ड ने उसे कहा, तू इससे कहीं बेहतर है। उसी ने मदद के लिए उसका नाम दर्ज कराया। बाद में उसने एक नया ट्रीटमेंट लिया, जिससे उसकी जि?दगी उलट गई। अब वो 18 महीने से क्लीन है, अपराध की दुनिया से बाहर है और अब दूसरे नशे में डूबे लोगों को बाहर निकालने के लिए काम कर रही है।

आप जानकर हैरान होंगे कि कीली को नेशनल बिजनेस क्राइम सॉल्यूशन अवार्ड भी मिल चुका है। वो आज वर्कशॉप्स में मोटिवेशनल स्पीच देती है और कहती है, मैं अनफिक्सेबल थी, लेकिन अब ठीक हूं। अगर मैं सुधर सकती हूं, तो कोई भी सुधर सकता है।

क्या सांप की आंखों में होता है कैमरा दुश्मनों की तस्वीर कर लेता है सेव ?

5जी वाले दौर में भी सांपों के बारे में कई रहस्यमय और अजीबोगरीब कहानियां प्रचलित हैं, जिनमें से एक यह भी है कि सांप अपने दुश्मनों की फोटो आंखों से निकाल लेते हैं और सात बार बदला लेते हैं। इस कहानी ने हमेशा से ही लोगों को डराया और चौंकाया है, लेकिन क्या इसमें कोई सच्चाई है? सागर गर्ल्स डिग्री कॉलेज के प्राणी शास्त्र विज्ञान विभाग के अतिथि विद्वान मनीष जैन ने वैज्ञानिक और सामाजिक आधार पर इसे समझाने का प्रयास किया। सांपों के पास ऐसी कोई क्षमता नहीं होती, जिससे वे किसी व्यक्ति की फोटो या छवि अपनी आंखों से निकाल सकें। यह एक पूरी तरह से मिथक है। सांपों की दृष्टि सीमित होती है और वे मुख्य रूप से अपनी जीभ और अन्य संवेदी अंगों का उपयोग करते हैं। उनकी स्मृति और पहचान प्रणाली भी बहुत साधारण होती है और वे अपने दुश्मनों की पहचान याद रखने के लिए फोटो जैसी किसी चीज का उपयोग नहीं कर सकते।

दृष्टि और संवेदी प्रणाली: सांप अपनी जीभ की सहायता से गंध को पकड़ते हैं और जैकबसन अंग का उपयोग करते हैं जो उन्हें उनके आसपास के वातावरण का एहसास कराता है। भारत में सांपों के बारे में कई कहानियां और मिथक प्रचलित हैं, जो सामाजिक और सांस्कृतिक मान्यताओं पर आधारित हैं। इन कहानियों का मुख्य उद्देश्य लोगों को सांपों से सावधान करना और उनके प्रति आदर और डर पैदा करना है। इन कहानियों का मुख्य उद्देश्य लोगों को सांपों के खतरों से सावधान करना और उनके प्रति आदर और डर पैदा करना है। यह कहानियां ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में प्रचलित हैं, जहां सांपों का अधिक सामना होता है।

भय और आदर: सांपों को लेकर बने इन मिथकों के कारण लोग उनसे डरते हैं और उन्हें आदर की दृष्टि से देखते हैं, जिससे उनके प्रति अनुचित व्यवहार नहीं किया जाता।

जवाबदेही से भाग रही है केंद्र सरकार : गहलोत

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पूर्व सीएम ने उठाए सवाल

» बोले- अब तक नहीं आई 26 मौतों पर स्पष्ट रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीकानेर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीकानेर में केंद्र सरकार पर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। गहलोत ने कहा कि देश के नागरिक यह जानना चाहते हैं कि आखिर 26 लोगों की मौत कैसे हुई, कहां चूक हुई और किस स्तर पर हुई। उन्होंने कहा कि अब तक सरकार की ओर से इस पर कोई स्पष्ट रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

न तो किसी गृह मंत्री ने इस्तीफा दिया, न ही किसी एजेंसी प्रमुख ने। इससे यही संदेश जाता है कि इतनी बड़ी घटना के बाद भी कोई जवाबदेही तय नहीं हुई। गहलोत ने कहा कि जब ऑपरेशन सिंदूर समाप्त हुआ था, तभी से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग उठ रही थी लेकिन सरकार ने इसे अनदेखा कर दिया। अगर उस वक्त संसद का सत्र बुलाया जाता तो देश के सामने तथ्य आते और जनता ज्यादा संतुष्ट होती। इतने लंबे समय बाद जब संसद बुलाई गई तो भी सिर्फ औपचारिक भाषण हुए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि संसद में हुई चर्चा के दौरान सरकार ने तथ्यों पर आधारित जवाब देने के बजाय 1962, 1965 और 1971 के युद्धों का जिक्र करके इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश किया। गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान के दो टुकड़े होने और बांग्लादेश बनने जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियों पर गर्व करने के बजाय सरकार लीपापोती कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, गौरव गोगोई, अखिलेश यादव जैसे नेताओं के सवालों का भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया।

फैक्ट्स और रिपोर्ट्स देश के सामने रखे मोदी सरकार

गहलोत ने कहा कि सरकार के पास सभी फैक्ट्स और रिपोर्ट्स होने के बावजूद उन्हें देश के सामने नहीं रखा जा रहा है। जनता यह जानना चाहती है कि आखिर किसे सजा दी गई और कहां चूक हुई। जवाबदेही तय होना लोकतंत्र के लिए आवश्यक है।

पूंजीपतियों के हाथों में खेल रही भाजपा सरकार

जिलाध्यक्ष विजय सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार पूंजीपतियों के हाथ में खेल रही है। सरकार ने गरीबों के घर को रोशन करने वाले मिट्टी का तेल बंदकर उसकी सब्सिडी पूंजीपतियों को कमाने के लिए दे रखा है। कांग्रेस ने सर्वसमाज के लिए काम किया है। भाजपा सरकार कांग्रेस के किए गए कार्यों को अपने पूंजीपति मित्रों के हवाले कर उन्हें मालदार और आम जनता को गरीब बना रही है। जिला कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन जयप्रकाश लाल ने कहा की महंगाई आसमान छू रही है और सरकार फर्जी आंकड़े से महंगाई कम बता रही है। जिला कोषाध्यक्ष कपिल देव शुक्ला ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए पार्टी को मजबूत करने की अपील की।

मप्र में कानून व्यवस्था को लेकर विस में हंगामा

» विधानसभा सत्र के चौथे दिन कांग्रेस ने उठाया मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भैंस के आगे बीन बजाना जैसा है भाजपा सरकार से सवाल करना : सिंघार

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन भी खूब हंगामा हुआ। कांग्रेस ने भाजपा सरकार को कानून व्यवस्था को लेकर घेरा। बीते दिन इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने बॉकआउट किया था। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, फूल सिंह बरैया और जयवर्धन सिंह ने प्रदेश में बढ़ते अपराधों और पुलिस कार्रवाई को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। विधायक अभय मिश्रा और महेश पटेल से जुड़े मामलों को लेकर भी विपक्ष सरकार से जवाब मांगेगा। बीते दिन बुधवार को सदन में चार विधेयक पास हुए थे। विपक्ष का आरोप है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था खराब है। लगातार बड़े अपराध हो रहे हैं, जिन्हें सरकार नहीं रोक पा रही है।

सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने 'भैंस के आगे बीन बजाने' जैसा प्रतीकात्मक विरोध कर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस ने कहा यह विरोध प्रदर्शन सरकार की संवेदनहीनता और जनहित के मुद्दों पर मौन रवैये के खिलाफ किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार को न युवाओं के रोजगार की चिंता है, न किसानों की हालत की फिक्र। महंगाई चरम पर है, युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण अब तक नहीं मिला और लाड़ली बहनों से किया गया 3000 प्रतिमाह का वादा भी अधूरा है। फिर भी सरकार पूरी तरह निष्क्रिय और चुप्पी साधे बैठी है।

अभिषेक शर्मा टी20 के बने नंबर-1 बल्लेबाज

» तीनों प्रारूपों में नौ रैंकिंग में से पांच पर भारतीयों का दबदबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। आईसीसी ने सभी प्रारूपों की ताजा रैंकिंग जारी कर दी है। भारत के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा ने ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ दिया और नंबर एक बल्लेबाज बन गए हैं। हेड को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज नहीं खेलने का नुकसान हुआ और वह एक स्थान लुढ़क कर दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। अभिषेक के करियर की यह सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

इतना ही नहीं, टेस्ट वनडे और टी20, तीनों प्रारूपों के तीनों श्रेणियों (बैटर, बॉलर और ऑलराउंडर) को मिलाकर, कुल नौ रैंकिंग में से पांच पर भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। अभिषेक के अलावा शुभमन गिल वनडे के नंबर एक बल्लेबाज हैं, जबकि जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजों में नंबर एक हैं। वहीं, रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडर्स में और हार्दिक पांड्या टी20 ऑलराउंडर्स में नंबर एक हैं। इसके अलावा टीम रैंकिंग में भारत वनडे और टी20 में नंबर एक है। टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया नंबर एक है। अभिषेक के अब 829 रेटिंग अंक हैं, जबकि हेड 814 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, आईसीसी टेस्ट ऑलराउंडर्स में जडेजा ने दूसरे स्थान पर मौजूद बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज पर 117 रेटिंग अंकों की बढ़त ले ली है। वहीं, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स तीन पायदान ऊपर चढ़कर टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

टेस्ट क्रिकेट में जो रूट शीर्ष बल्लेबाज हैं।

भारतीय ओपनर ने ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ा

पांचवें टेस्ट से कप्तान स्टोक्स खुद हुए बाहर

लंदन। भारत के खिलाफ तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के पांचवें और आखिरी टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग-11 की घोषणा हो गई है। कप्तान बेन स्टोक्स चोटिल होकर खुद ही प्लेइंग-11 से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ओली पोप आखिरी टेस्ट में कप्तानी करेंगे। इंग्लैंड ने प्लेइंग-11 में कुल चार खिलाड़ी बदले हैं। ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर और लियाम डॉसन भी इस प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं हैं। आर्चर ज्यादातर समय चोटिल रहते हैं। वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत उन्हें आराम दिया गया है। स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट से जूझ रहे हैं। पांचवां टेस्ट लंदन के द ओवल मैदान पर आज खेला जाएगा। इंग्लैंड की टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में फिलहाल 2-1 से आगे है।

सरकारी क्लर्क ने खुद को गोली से उड़ाया

» ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में सरकारी क्लर्क ने अपने प्लॉट में खुद को गोली से उड़ा लिया। बाहर इंतजार कर रहे ड्राइवर ने जब गोली की आवाज सुनी तो प्लॉट के अंदर भागा। वहां मालिक के खून से लथपथ शव को देखकर परिजनों और पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। घटना सुशांत गोल्फ सिटी के विंड क्लब के पास स्थित एक खाली प्लॉट में शाम करीब पांच बजे हुई। मृतक की पहचान निगोहां करणपुर के रहने वाले राज कुमार सिंह के रूप में हुई। राज चकबंदी विभाग में क्लर्क और राज कर्मचारी संघ के अध्यक्ष थे।

बुधवार शाम करीब पांच बजे वह अपने ड्राइवर केशव राम के साथ प्लॉट देखने आए थे।राज ड्राइवर केशव राम को बाहर इंतजार करने को बोलकर प्लॉट के अंदर चले गए। थोड़ी देर बाद गोली चलने की आवाज आई। इस पर केशव राम ने प्लॉट के अंदर जाकर देखा तो राज खून से लथपथ जमीन पर पड़े थे। पास ही एक लाइसेंसी रिवाल्वर पड़ा था। ड्राइवर ने घटना की सूचना परिजनों और पुलिस को दी। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने बताया- गोली राज के सिर के आर-पार हो गई थी। ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटनास्थल स्थल को कवर कर दिया गया है। फोरेंसिक और डॉग स्क्वॉयड टीम ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य एकत्र किए हैं।

दोस्त से लिया हथियार सुसाइड नोट मिला

डीसीपी साउथ ने बताया मौके से सुसाइड नोट मिला है। जिसमें मौत का जिम्मेदार खुद को ठहराया है। पत्नी ने पूछताछ में बताया है कि 4-5 दिन पहले किसी से वेपन लेकर आये थे। हालांकि किसका है ये जानकारी अभी नहीं है। नंबर के आधार पर असली मालिक का पता लगाया जाएगा।

मौसेरा भाई बोला- किसी से रंजिश नहीं

ड्राइवर की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंचे मौसेरे भाई पंकज सिंह ने बताया- भाई राज इंदिरा भवन स्थित उत्तर प्रदेश चकबंदी कर्मचारी मिनिस्ट्रियल संघ के पिछले 25 साल से निर्विरोध अध्यक्ष थे। काफी खुशमिजाज व्यक्ति थे। उनके पास लाइसेंसी रिवाल्वर या अन्य कोई हथियार भी नहीं था। किसी से रंजिश का पता नहीं, लेकिन वे आत्महत्या नहीं कर सकते है।

गंदगी देख भड़के अपर नगर आयुक्त

» लायन कंपनी पर जुर्माना, जोन-5 में गंदगी का अंबार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम द्वारा स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने और व्यवस्था में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के क्रम में कई क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया गया। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त के नेतृत्व में यह निरीक्षण प्रात: 8:00 बजे गुरु नानक नगर वार्ड अंतर्गत सुंदर नगर, नटखेडा रोड एवं आसपास के इलाकों में किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी, जोनल सेनिटरी अधिकारी, नगर अभियंता, लायन इनवायरो के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान कई गंभीर खामियां सामने आईं, जिनमें प्रमुख रूप से कूड़ा-कचरा, नालियों की गंदगी, टूटे हुए इंटरलॉकिंग टाइल्स, कूड़ा कलेक्शन में अनियमितता और सीवर ढक्कनों की अनुपस्थिति शामिल रही। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वच्छता के प्रति लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

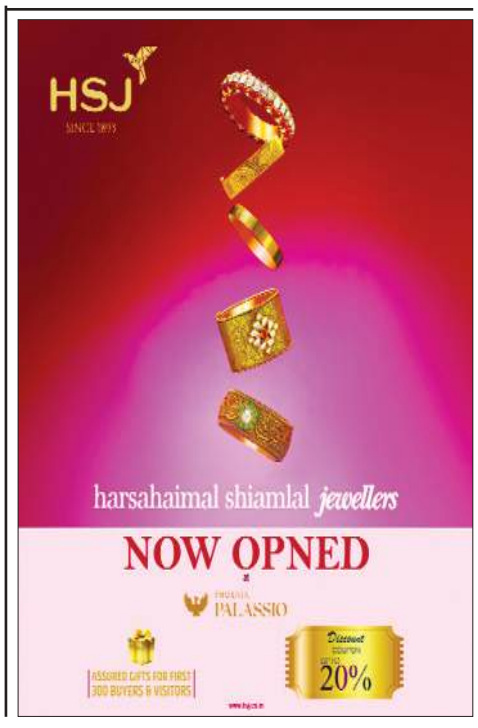

मालेगांव विस्फोट के फैसले पर सियासी सवाल

नेताओं की मिलीजुली प्रतिकिया, एनआईए कोर्ट का फैसला, मामले में सभी आरोपी बरी किए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सितंबर 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में गुरुवार को मुंबई की एक विशेष अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। इस विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और 101 अन्य घायल हुए थे।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के मामलों की सुनवाई के लिए नियुक्त विशेष न्यायाधीश एके लाहोटी ने अभियोजन पक्ष के मामले और की गई जांच में कई खामियां बताईं। उन्होंने कहा कि आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए। विस्फोट के सभी छह पीड़ितों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये और सभी घायलों को 50,000 रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। 29 सितंबर 2008 को मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे।

भगवा की जीत, हिंदुत्व की विजय : साध्वी

साध्वी ने कोर्ट से कहा,भगवा को कलंकित किया गया। आप के फैसले खुश हुई अपने मेरे दुख दर्द को समझा। ये केस मैंने नहीं जीता, ये भगवा की जीत हुई है। हिंदुत्व की विजय हुई, मेरा जीवन सार्थक हो गया। बाद में उन्होंने कहा, जिन लोगों ने हिंदू आतंकवाद कहा, भगवा आतंकवाद कहा, उनको दंड मिलेगा।

कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं : न्यायाधीश

न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था।

फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे पीड़ित परिवार

पीड़ित परिवारों के वकील एडवोकेट शाहिद नदीम ने कहा कि बम विस्फोट की पुष्टि कोर्ट ने कर दी है। हम इस बरी करने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे। हम स्वतंत्र रूप से अपील दायर करेंगे।

एक खबर दबाने के लिए दूसरी खबर ले आए : अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मालेगांव ब्लास्ट केस में आए फैसले पर पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मालेगांव ब्लास्ट केस में आए फैसले को लेकर बड़ा दावा भी किया है। संसद के मानसून सत्र के दौरान परिसर में 31 जुलाई, गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश ने कहा कि दोषियों को सजा होनी चाहिए देश की आम जनभावना यही है। लेकिन सबसे बड़ा मुद्दा है टैरिफ का तो कहीं ऐसा तो नहीं एक खबर दबाने के लिए दूसरी खबर ले आए। सांसद अखिलेश यादव ने कहा, मैंने रिपोर्ट नहीं पढ़ी, लेकिन इतनी बड़ी घटना में शामिल आरोपियों को सज़ा मिलनी चाहिए।

खराब जांच की वजह से सातों आरोपी हुए बरी: असदुद्दीन ओवैसी

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मालेगांव ब्लास्ट मामले का फैसला निराशाजनक है। विस्फोट में छह नमाजी मारे गए और करीब 100 घायल हुए। उन्हें उनके धर्म की वजह से निशाना बनाया गया। जानबूझकर की गई खराब जांच/अभियोजन पक्ष ही बरी होने के लिए ज़िम्मेदार है।

तत्कालीन सरकार के नेगेटिव कैंपेन को नकारा : दिनेश शर्मा

बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने कहा की हिंदुओं को बदनाम करने के लिए तत्कालीन सरकर ने एक नेगेटिव चलाया था जिसको आज कोर्ट ने अपने फैसले से गलत साबित कर दिया। वहीं भाजपा सांसद रवि किशन ने मालेगांव ब्लास्ट मामले में कहा, मुझे समझ नहीं आता कि मैं खुशी मनाऊं या दुख। उनके जीवन के 17 साल कौन लौटाएगा? कांग्रेस के जिन आलाकमान नेताओं ने भगवा आतंकी शब्द दिया था, उन्हें जवाब देना चाहिए।

कुछ लोग धर्म को नफरत का हथियार बनाकर इस्तेमाल करते हैं : दिग्विजय

कोर्ट के इस फैसले पर दिग्गज कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि ना हिंदू आतंकवादी हो सकता है ना मुसलमान, हर धर्म प्रेम, सदभाव, सत्य और अहिंसा का रूप है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि चाहे हिंदू हो या मुस्लिम या फिर सिख हो या ईसाई, कोई भी आतंकवादी नहीं हो सकता। बस कुछ लोग होते हैं जो धर्म को नफरत का हथियार बनाकर इस्तेमाल करते हैं।

दलबदल लोकतंत्र की नींव कमजोर कर रही है : गवई

» सीजेआई ने कहा- इसे रोकने की जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दल-बदल को लेकर बड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि ये मुद्दा देश भर में बहस का विषय रहा है। अगर समय रहते इसे नहीं रोका गया तो यह लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने संसद में दिए गए कई नेताओं के भाषणों का हवाला भी दिया।

कोर्ट ने राजेश पायलट,देवेन्द्रनाथ मुंशी जैसे सांसदों के भाषणों का जिक्र करते हुए कहा कि विधायक/सांसद की अयोग्यता तय करने का अधिकार स्पीकर को इसलिए दिया गया ताकि अदालतों में समय बर्बाद न हो और मामला जल्दी सुलझे। राजनीतिक दलबदल राष्ट्रीय चर्चा का विषय रहा है अगर इसे रोका नहीं गया तो यह लोकतंत्र को बाधित करने की शक्ति रखता हैहमने

संसद में दिए गए विभिन्न भाषणों का हवाला दिया है जैसे श्री राजेश पायलट, देवेंद्र नाथ मुंशी हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि अयोग्यता की कार्यवाही का निर्णय स्पीकर द्वारा करना अदालतों में होने वाली देरी से बचने के लिए था। इसलिए कार्यवाही के शीघ्र निपटारे के लिए यह कार्य स्पीकर को सौंपा गया थायह तर्क दिया गया कि चूंकि मामला एक बड़ी पीठ के समक्ष लंबित है, इसलिए हम इस मामले का निर्णय नहीं कर सकतेहमने किहोतो होलोहन फैसले का भी हवाला दिया है, जहां अनुच्छेद 136 और अनुच्छेद 226 व 227 के संबंध में न्यायिक समीक्षा की शक्तियां बहुत सीमित हैं।

कोर्ट ने स्पीकर की भूमिका स्पष्ट की

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारे सामने ये भी दलील दी गई कि आर्टिकल 136 और 226/227 के तहत स्पीकर के फैसलों पर न्यायिक समीक्षा की गुंजाइश बहुत सीमित है। ये भी कहा गया कि चूंकि मामला बड़ी बेंच के सामने लंबित है तो इस पर सुनवाई नहीं हो सकती है। इन दस बीआरएस विधायकों ने कांग्रेस जॉइन कर लिया था लेकिन स्पीकर ने इनकी अयोग्यता पर लंबे समय तक कोई फैसला नहीं लिया। जस्टिस गवई ने कहा कि स्पीकर ने सात महीने बाद नोटिस जारी किया जब इस अदालत ने इस मामले में नोटिस भेजा। संसद का ये काम स्पीकर को सौंपने की मंशा ये थी कि अदालतों में टालमटोल की स्थिति से बचा जा सके।

अमेरिकी नौसेना का एफ 35 लड़ाकू विमान क्रश

» पायलट सुरक्षित लेमूर एयरबेस के पास हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वॉशिंगटन। अमेरिकी नौसेना का एफ-35 फाइटर जेट कैलिफोर्निया के नेवल एयर स्टेशन लेमूर के पास क्रैश हो गया। नौसेना के बयान के अनुसार, पायलट ने समय रहते अपनी जान बचा ली, फिलहाल वो सुरक्षित है और खतरे से भी बाहर है।

यह विमान स्ट्राइक फाइटर स्क्वाड्रन वीएफ-125 रफ रेडर्स से जुड़ा था। इन इकाई वाले विमानों का प्रयोग अधिकतर पायलटों और एयरक्रू को प्रशिक्षण देने के लिए किया जाता है। हादसे के बाद से ही अमेरिकी नौसेना मुस्तैद है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। जो एफ-35 विमान क्रैश हुआ, वह लगभग 100 मिलियन डॉलर यानी करीब 830 करोड़ रुपये की लागत वाला था। यह अमेरिकी नौसेना के लिए डिजाइन किया गया एक विशेष वैरिएंट है जिसे एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ाया जा सकता है। इस विमान को लॉकहेड मार्टिन कंपनी बनाती है और इसे अत्याधुनिक स्टील्थ, रडार अवॉइडेंस और लड़ाकू क्षमताओं के लिए जाना जाता है।

50 से ज्यादा छात्रों वाले स्कूलों का नहीं होगा विलय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में कम नामांकन वाले सरकारी स्कूलों के विलय को लेकर हो रहे विरोध को देखते हुए आदेश दिया गया है कि अब एक किमी से ज्यादा दूरी वाले स्कूलों को मर्ज नहीं किया जाएगा। वहीं, ऐसे स्कूल जहां पर विद्यार्थियों की संख्या 50 से ज्यादा है उनका भी विलय नहीं किया जाएगा। ये आदेश यूपी के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने दिया हैं।

बता दें कि प्रदेश के अलग-अलग जिलों में शिक्षक संघ और अभिभावक प्रदेश सरकार के स्कूलों के विलय के फैसले का विरोध कर रहे हैं। इस दौरान कई ऐसी भी शिकायतें आई हैं जिनमें अभिभावकों ने विलय के बाद नये स्कूल के काफी दूर होने की शिकायत की। इसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। मीडिया को संबोधित करते हुए बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि बीते आठ वर्षों में परिषदीय स्कूलों की स्थिति में काफी सुधार आया है। सरकार ये सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि हर बच्चे को शिक्षा के अधिकार के तहत अच्छी शिक्षा मिले।

बेटे की तलाश में दर-दर भटक रहा है एक पिता

» मधुबनी से निकला गोरखपुर से गायब

» तीन राज्यों की पुलिस रिपोर्ट दर्ज करने को तैयार नहीं

» राम झा अपने पुत्र राजू झा को छह महीने से तलाश रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मधुबनी। तीन राज्य तीनों में कई समानता। समानता ये की डबल इंजन की सरकार है। समस्याएं बेसुमार हैं। पुलिस ऐसी की एक दूसरे पर मामले को टाल कर पीड़ितों को ठोकर खाने को मजबूर कर रही है। दरअसल मामला बिहार से जुड़ा है जो यूपी से होते हुए देश की राजधानी तक पहुंचा। तीनों राज्यों में एनडीए-भाजपा की सरकार पर एक असहाया पिता की कोई सुनने वाला नही जिसका बेटा कई दिनों से लापता है।

तीनों तथा कथित सुशान वाले राज्यों में कोई एफआईआर तक लिखने वाला नहीं है। बेटे की तलाश में एक असहाय पिता पिछले कई महीनों से दर-दर की ठोकरें खा रहा है, लेकिन बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली—तीनों राज्यों की पुलिस ने अब तक न तो कोई एफआईआर दर्ज की है और न ही कोई खोजबीन शुरू की है।

बिहार से दिल्ली के लिए निकला था युवक

मामला मधुबनी जिले के ग्राम पोस्ट दलदल, थाना भेजा निवासी राम झा का है। उनके पुत्र राजू झा, जो 10 फरवरी 2025 को दरभंगा, बिहार से दिल्ली जाने के लिए निकले थे, 11 फरवरी को मानसिक स्थिति बिगड़ने के कारण गोरखपुर रेलवे स्टेशन से लापता हो गए। राम झा को गोरखपुर (थाना-शाहपुर) की स्थानीय पुलिस के सीयूजी (मो न 9454403523) से सूचना मिली कि उनके बेटे की मानसिक हालत बिगड़ गई थी, लेकिन पुलिस ने उसे ट्रेन में बैठाकर दिल्ली के लिए रवाना कर दिया। इसके बाद से राजू झा का कोई अता-पता नहीं है। न वह दिल्ली पहुंचा और न ही रास्ते में कहीं उसका कोई सुराग मिला।

गरीब की कोई सुनवाई नहीं करता : राम झा

क्या गरीब का बेटा गुम हो जाए तो उसकी कोई सुनवाई नहीं? अगर यही किसी बड़े आदमी का बेटा होता, तो पूरा शहर छान मारा जाता। मैं हर रोज़ दरवाज़े की ओर ताकता हूँ कि शायद आज मेरा बेटा लौट आए। राम झा ने अब मीडिया और सामाजिक संगठनों से अपील की है कि इस मामले को उठाया जाए, ताकि उनके बेटे की तलाश में प्रशासन जागे और जिम्मेदारी तय हो।

प्रशासन के ऊपर उठ रहे सवाल

जब गोरखपुर (थाना-शाहपुर) पुलिस को यह जानकारी थी कि युवक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, तो क्या उसे इस हालत में अकेले दिल्ली भेजना उचित था? तीन राज्यों की पुलिस किस आधार पर एफआईआर दर्ज करने से इंकार कर रही है? क्या ग़रीब और असहाय नागरिकों के लिए न्याय और व्यवस्था अब भी उतनी ही दूर की बात है?

तीनों राज्यों में पुलिस ने रिपोर्ट नहीं की दर्ज

राम झा ने बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के कई थानों में जाकर अपने बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाने की कोशिश की, ताकि खोजबीन शुरू की जा सके और उसकी सूचना अख़बारों व दूरदर्शन के माध्यम से फैलाई जा सके। लेकिन तीनों राज्यों की पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने से इनकार कर दिया।

6 महीने से थानों के चक्कर काट रहें है राम झा

राम झा की माने तो उन्हें पुलिस थानों के चक्कर काटते हुए अब 6 महीने हो चुके हैं, लेकिन हर जगह उन्हें टाल-मटोल और कानूनी दांवपेच में उलझाया जा रहा है। पुलिस यह तय नहीं कर पा रही है कि ज़ूड्रिक्सन किसका है-गोरखपुर का, दिल्ली का या मधुबनी का।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।